



International Motivational Trainer  
Sayyed Saeed Ahmed

## Personality and Skill Development Course

**Assessment**

शख्सियत और हुनरमंदी की तरक्की का कोर्स

सर्यद सईद अहमद

**आकलन**

**Raabta Foundation,**

Pune, Maharashtra | M.: 9822609059 | [www.saeedahmad.in](http://www.saeedahmad.in)

Email: [saeedahmedraabta@gmail.com](mailto:saeedahmedraabta@gmail.com)



Name: \_\_\_\_\_

Address: \_\_\_\_\_

Contact No.: \_\_\_\_\_ E-mail: \_\_\_\_\_

Date: \_\_\_\_\_ Venue: \_\_\_\_\_

## कोल्ब का ईजादी तरीक़ा तअल्लुम

किसी भी फ़र्द के सीखने का तरीक़ा यह बयान करता है कि वह किस तरह सीखता है और रोज़मर्रा की ज़िंदगी में दरपेश हालत में अपने तर्जे ख़याल के साथ कैसे पेश आता है।

हम सबको यह एहसास है कि हर इन्सान के सीखने का तरीक़ा अलग अलग होता है लेकिन यह फ़ेहरिस्त आपको मदद देगी कि किस किस्म का सीखने का तरीक़ा आपके लिए मुनासिब है। यह आपको मदद देगा कि किस तरह अपने मसाइल का हल तलाश करें और अपने नसबुल ऐन को बरक़रार रखते हुए नई सूरते हाल का अपने आपको मशगूल रखते हुए किस तरह सामना करें।

### हिदायात

हुसूले तालीम या कुछ सीखने के लिए कौनसा तरीक़ा आपके लिए मुफीद है यह जानने के लिए नीचे दिए गए चार्ट में आपको 12 जुमले मुकम्मल करना है। हर जुमले को चार मुख़्तलिफ़ अंदाज़ में लिखा गया है। अपनी सोच और मिज़ाज के मुताबिक़ इन जुमलों को ध्यान से पढ़िए और हाल ही में आपके साथ पेश आए हुए चंद वाकिआत को याद कीजिए। ख़ास तौर पर स्कूल व कॉलेज में, अपनी मुलाज़मत की जगह, कारोबार या रोज़मर्रा के मामलात के अहेम काम जहां से आपको कुछ नया सीखने का मौक़ा मिला है।

इस बात को ध्यान में रखिए नीचे दिए गए हर जुमले को 1 से 4 नंबर तक (मार्कस) देना लाज़मी है। इन 12 जुमलों में हर जुमले के आगे चार जुमले मुन्फरिद अंदाजे फिक, मिज़ाज, मूड में तहरीर हैं। हर जुमले को अलग अलग नंबर (मार्कस) देना है। मिसाल के तौर पर उस जुमले को 4 नंबर (मार्कस) दीजिए जो यह बताए कि आप किस तरह बेहतरीन सीख सकते हैं। और उस जुमले को सबसे कम यानी 1 नंबर (मार्कस) दीजिए जो आपके सीखने के तरीके में सबसे ज़्यादा नापसंद है या दुश्वारी पैदा करता है। इसी तरह बक़िया जुमलों को भी अपने सीखने के रुजहान और अपने मिज़ाज के मुताबिक़ 1, 2, 3, या 4 नंबर (मार्कस) तक हस्बे मुनासिब देना है। इन चार जुमलों में किसी को भी यकसां नंबर (मार्कस) नहीं देना है और यह बात याद रहे कि हर एक को नंबर (मार्कस) देना ज़रूरी है।

## एक जुमले के सेट की मिसाल:

जब मैं सीखता हूँ।	खुश होता हूँ।	3	जल्दी करता हूँ।	1	मन्तिकी हो जाता हूँ।	4	मोहतात होता हूँ।	2
-------------------	---------------	---	-----------------	---	----------------------	---	------------------	---

## अब दर्ज जैल जुमलों को नंबर दीजिए:

1	जब सीखता हूँ।	एहसासात के साथ मशगूल रहना पसंद करता हूँ।	देखना और सुनना पसंद करता हूँ।	तसव्वुर और फिक के साथ सोचना पसंद करता हूँ।	कुछ करते रहने पसंद करता हूँ।
2	जब मैं बेहतरीन सीखता हूँ।	हालात के मुताबिक एहसासात पर भरोसा करता हूँ।	तवज्जोह से देखता और सुनता हूँ।	काबिले तस्लीम/ काबिले कबूल सोच पर भरोसा करता हूँ।	उस चीज़ को पूरा करने के लिए सख्त मेहनत करता हूँ।
3	सीखते वक़्त में	मुझमें ज़्यादा एहसास और रूढ़े अमल होता है।	मैं खामोश और कम बात करता हूँ।	मेरा झुकाव मामलात पर गौर व फिक्र करना होता है।	मामलात में जिम्मेदार हो जाता हूँ।
4	मैं सीखता हूँ	एहसासात के ज़रीए	देखने के ज़रीए	सोचने के ज़रीए	करने के ज़रीए
5	जब मैं सीखता हूँ	नए तजरुबात के लिए तयार हूँ।	मसअले के हर पहलू को परखता हूँ।	मामले के हर पहलू का तजज़िया करता हूँ।	नई चीज़ें करने की कोशिश करता हूँ।
6	जब सीख रहा हूँ तब	मैं फौरन समझ जाता हूँ।	बगौर मुशाहेदा करता हूँ	काबिले तस्लीम/ काबिले कबूल बात मान लेता हूँ।	मेहनती इन्सान हो जाता हूँ।
7	मैं बेहतरीन सीखता हूँ	ज़ाती तअल्लुकात के ज़रीए	मुशाहेदा के ज़रीए	समझदाराना नज़रियात के ज़रीए	कोशिश व अमल करने के ज़रीए
8	जब सीखता हूँ	ज़ाती तौर पर शामिल होना महसूस करता हूँ।	अमल करने से पहले वक़्त लेता हूँ।	ख़यालात और नज़रियात पसंद करता हूँ।	अपने काम का नतीजा देखना पसंद करता हूँ।
9	मैं बेहतरीन सीखता हूँ जब	अपने एहसासात पर भरोसा करता हूँ।	अपने मुशाहेदा पर भरोसा करता हूँ।	अपने ख़यालात पर भरोसा करता हूँ।	बजाते खुद तजरुबा करना चाहता हूँ।
10	जब मैं सीख रहा हूँ	बात मान लेता हूँ।	मैं कम गो शरूस हूँ।	मैं एक समझदार शरूस हूँ।	मैं एक जिम्मेदार शरूस हूँ।
11	जब मैं सीखता हूँ	मैं शामिल हो जाता हूँ।	मैं मुशाहेदा करना पसंद करता हूँ।	मैं चीज़ों का मुवाज़ना करता हूँ।	सरगर्म रहना पसंद करता हूँ।
12	मैं बेहतरीन सीखता हूँ जब	मैं कबूल करने पर आमादा रहता हूँ।	मैं मोहतात रहता हूँ।	मैं ख़यालात का तजज़िया करता हूँ।	मैं अमलन सरगर्म हूँ।

कुल

कॉलम 1

कॉलम 2

कॉलम 3

कॉलम 4

## सीखने का चक्कर

मजकूर बाला चारों कॉलमों का मजमूईं स्कोर तजरुबा से सीखने के चक्कर के चार मराहिल बताता है।

कॉलम 1	ठोस या पुरख्ता तजरुबा Concrete Experience (CE)	<input type="text"/>
कॉलम 2	मअकूस मुशाहेदा (गौर व फिक के साथ मुशाहेदा) Reflective Observation (RO)	<input type="text"/>
कॉलम 3	मअरुजी तसव्वुर दही (किसी खयाल को कायम करना) Abstract Conceptualization (AC)	<input type="text"/>
कॉलम 4	फअआल तजरुबा कारी (सरगर्म तजरुबा कारी) Active Experimentation (AE)	<input type="text"/>

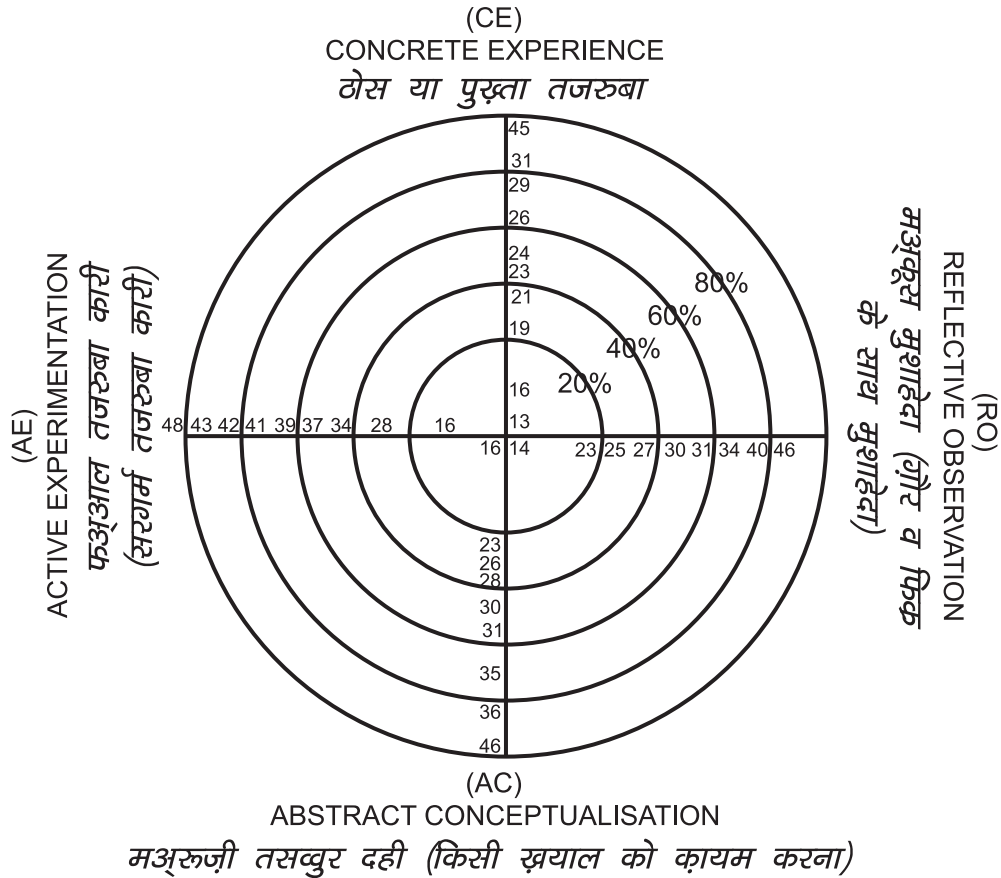
नीचे दी गई शकल में हर लाइन पर एक नुक्ता बनाइए जो आपके CE, RO, AC, AE स्कोर से मेल खाता हो। नुक्तों को एक सीधी लकीर खींचकर मिला लीजिए। उससे हासिल होने वाली शकल से पता चलेगा कि कौनसा तरीकए तअल्लुम (सीखने का तरीका) आपको सबसे ज़्यादा पसंद है और कौनसा सीखने का तरीका आपको सबसे कम पसंद है।

ठोस या पुरख्ता तजरुबा **Concrete Experience (CE)**

मअकूस मुशाहेदा (गौर व फिक के साथ मुशाहेदा) **Reflective Observation (RO)**

मअरुजी तसव्वुर दही (किसी खयाल को कायम करना) **Abstract Conceptualization (AC)**

फअआल तजरुबा कारी (सरगर्म तजरुबा कारी) **Active Experimentation (AE)**



ईजादी तरीकए तअल्लुम एक आसान इम्तेहान है जो आपको सीखने वाले के तौर पर खुद की कुव्वतों और कमजोरियों को समझने में मदद करता है। यह इम्तेहान इस बात का मुवाजना करता है कि आप सीखने के मुख्तलिफ तरीकों पर कितना इन्हेसार करते हैं जो कि चार मराहिल पर मुश्तमिल सीखने के चक्कर के हिस्से हैं। इस चक्कर में मुख्तलिफ मकामात से मुख्तलिफ सीखने वाले इब्तेदा करते हैं।

मुअस्सिर सीखने में हर मरहले का इस्तेमाल होता है। आप अपनी प्रोफाइल की शकल के जरीए यह जान सकते हैं कि सीखने के चार मराहिल में जहां कहीं सीखने का मौका हो वहां कौनसा मरहला आप अपनी सहूलत के लिए इख्तियार करते हैं।

## सीखने के तरीके का ग्राफ

सीखने के चारों मराहिल CE, RO, AC, AE के नंबर (मार्कस) लीजिए और नीचे दिए गए तरीके के मुताबिक तफरीक करके आपके दो मजमूई नंबर (मार्कस) हासिल कीजिए। हो सकता आपका मजमूई स्कोर (मार्कस) मन्फी अलामत के साथ हो। मन्फी अलामत को बरकरार रखिए।

$$AC \text{ (Col. 3)} - CE \text{ (Col. 1)} = \boxed{\phantom{00}}$$

$$AE \text{ (Col. 4)} - RO \text{ (Col. 2)} = \boxed{\phantom{00}}$$

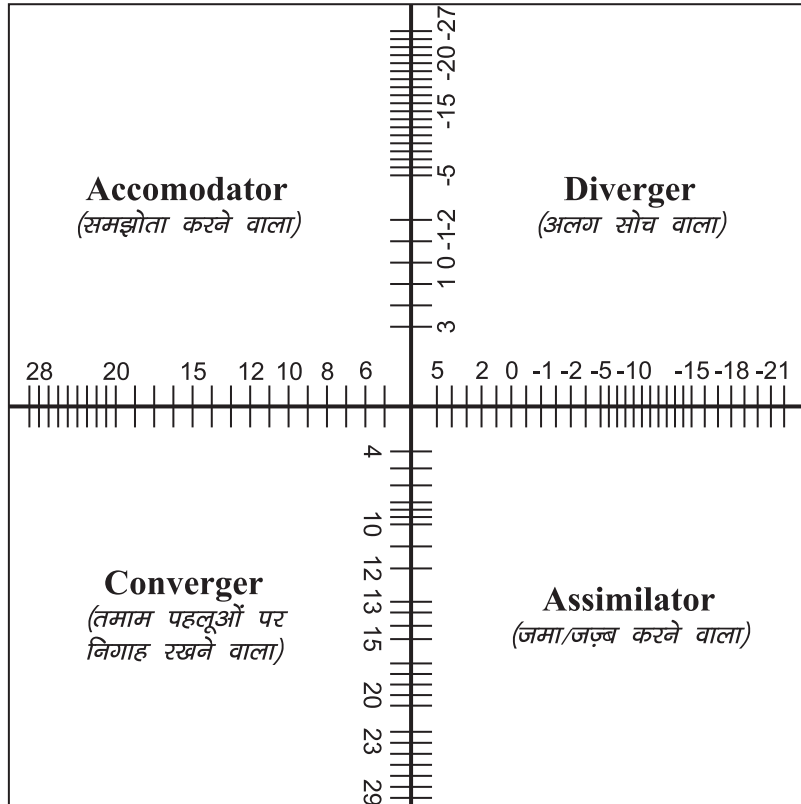
अपने दो मजमूई स्कोर (मार्कस) को नीचे दर्ज किए गए ग्राफ की दो लकीरों पर निशान ज़द करने पर और उनके मिलने की जगह (नुक्ताए इत्तेसाल) को निशान ज़द करने पर आप यह जान सकते हैं कि सीखने के चार तरीकों में से कौनसा तरीका आपके लिए मुनासिब है। यह चारों चौकोन सीखने के चार मशहूर तरीके बताते हैं जिन्हें Accomodator (समझोता करने वाला), Diverger (अलग सोच वाला), Converger (तमाम पहलूओं पर निगाह रखने वाला) और Assimilator (जमा/जज़ब करने वाला) के नाम दिए जाते हैं।

**Accomodator** (समझोता करने वाला)

**Diverger** (अलग सोच वाला)

**Converger** (तमाम पहलूओं पर निगाह रखने वाला)

**Assimilator** (जमा/जज़ब करने वाला)



मुन्दर्जा जैल में सीखने के चार तरीकों का तआरुफ दिया गया है। आप किस तरीके के हैं इसके बारे में भी पढ़िए और दीगर तीन तरीकों के बारे में भी पढ़िए।

### **Diverger** (अलग सोच वाला)

इस तरीकए तअल्लुम को अपनाने वाले किसी गंभीर सूरते हाल में मुख्तलिफ नजरियात और जावियए निगाह से सोचते हैं। दरपेश मामले में वह अमल करने के मुक़ाबले में मुशाहेदा करना ज़्यादा पसंद करते हैं। अगर यह आपका तरीका है तो हो सकता है कि आप ऐसी सूरते हाल को ज़्यादा पसंद करते हों जो मुख्तलिफ जावियए निगाह को उभारती हो जैसाकि ब्रेन स्टारमिंग सेशन में होता है। हो सकता है कि आप वसीअ् तहजीबी मफादात को मद्दे नजर रखें और मालूमात इकट्टा करना चाहें। यह तसव्वुराती सलाहियत और दूसरों के एहसासात के तई नर्म दिली आर्टस, इंटरटेन्मेन्ट और सर्विस के शोअ्बों में असर अंदाजी के लिए जरूरी है।

- कुव्वर्ते :**
- तसव्वुर करने की सलाहियत
  - लोगों के एहसासात को समझना
  - मसाइल को बखूबी समझना
  - ब्रेन स्टारमिंग (अचानक वुकूअ पजीर होने वाले वाकिआ के तई
  - फौरी तौर पर बेशुमार राय कायम करना)

- कमजोरियां :**
- ज़हेन में मौजूद मुतबादिलात की वजह से मजबूरी
  - फैसला ना कर पाना

अपने divergent सीखने की सलाहियत को बढ़ाने के लिए नीचे दिए हुए उमूर की मश्क करें:

- लोगों के एहसासात के तई नर्म दिल होना।
- अक़दार के तई नर्म दिल होना।
- खुले ज़हेन से सामने वाली की बात सुनना।
- मालूमात इकट्टा करना।
- ग़ैर मुतवक्क़ेअ् हालात के असरात के बारे में सोचना।

## Assimilator (जमा/जज़ब करने वाला)

जिन लोगों का सीखने का तरीका यह होता है वह लोग मालूमात की मुश्तलिफ पहलूओं को बहोत अच्छी तरह समझते हैं और उन पहलूओं को मुश्तसरन और मन्तिकी अंदाज़ में तरतीब देते हैं। अगर आपका तरीका यह है तो हो सकता है कि आप लोगों की तरफ तवज्जोह कम देते हों और मअरूज़ी ख़यालात और अफकार में ज़्यादा दिलचस्पी लेते होंगे। उमूमन सीखने के इस तरीके से तअल्लुक रखने वाले लोग इस बात को ज़्यादा अहेम समझते हैं कि किसी भी नज़रिया और फिक में अमली क़द से ज़्यादा मन्तिकी ज़हनियत होनी चाहिए। सीखने का यह तरीका इन्फॉर्मेशन और सायन्स के करीयर की असर अंदाज़ी में ज़्यादा मुफीद है।

कुव्वतें :

- प्लानिंग
- मॉडल की तख़लीक़
- मसाइल का तआरुफ
- नज़रियात कायम करना

कमज़ोरियां :

- हवाई महेल ज़्यादा बनाना
- अमल दर आमद की कमी

अपनी Assimilative सीखने की सलाहियतों को मज़बूत करने के लिए नीचे दिए हुए उमूर की मश्क़ करें।

- मालूमात को सही तरतीब देना
- तजज़ियाती मॉडल तयार करना
- नज़रियात और अफकार की जांच करना
- तजरुबात तश्कील देना
- ज़्यादा तादाद में मालूमात का तजज़िया करना

## Converger (तमाम पहलूओं पर निगाह रखने वाला)

इस तरीके तअल्लुम को इख़्तियार करने वाले नज़रियात और अफकार के अमली इस्तेमाल में बेहतरीन होते हैं। अगर आपका यह पसंदीदा तरीके तअल्लुम है तो आपमें मसाइल हल करने की सलाहियत है और फैसला करने की सलाहियत है और सवालात और मसाइल के हल ढूंढने की सलाहियत है। आप समाजी और बैन शख़्सी मामलात हल करने के मुक़ाबले में तकनीकी मामलात और मसाइल को हल करना ज़्यादा पसंद करते हैं। यह तरीके तअल्लुम उन अफ़राद के लिए ज़रूरी है जो किसी शोअ्बे में तख़रसुस रखते हों; चमबपंसपेजद्ध और जो टेक्नोलोजी करीयर से वाबिस्ता हों।

कुव्वतें :

- मसाइल हल करना
- फैसला करना
- तफरीकी मन्तिक़ इख़्तियार करना

कमज़ोरियां :

- ग़लत मसअला हल करना
- फैसला करने में जल्द बाजी
- मुन्तशिर ख़यालात

अपने Convergent तरीके तअल्लुम को मज़बूत करने के लिए नीचे दिए हुए उमूर की मश्क़ करें।

- सोचने और अमल करने के नए तरीके ईजाद करना
- नए ख़यालात का तजरुबा करना
- बेहतरीन हल इख़्तियार करना
- मक़सद मुक़रर करना
- फैसला करना

## Accomodator (समझोता करने वाला)

इस तरीक़ाए तअल्लुम को इख़्तियार करने वाले लोग बुनियादी तौर पर दूसरों के तजरुबात से सीखने की सलाहियत रखते हैं। अगर आपका यह पसंदीदा सीखने का तरीक़ा है तो शायद आप मन्सूबों पर अमल दर आमद करना और नए और चुनौती से भरपूर तजरुबों में अपने आपको शामिल करना ज़्यादा पसंद करते हैं। हो सकता है कि आपकी यह आदत हो कि आप मन्तिकी तजज़ियों पर अमल ना करते हुए अपने फितरी एहसासात पर अमल करें। मसाइल हल करने में आप मालूमात जमा करने के लिए अपने खुद के तकनीकी तजज़ियात के मुक़ाबले में लोगों पर ज़्यादा भरोसा करते होंगे। अमल से भरपूर करीयर मसलन मार्केटिंग और सेल्स में असर अंदाज़ी के लिए सीखने का यह तरीक़ा ज़्यादा कारआमद और अहेम है।

कुव्वतें :

- दूसरों से काम लेना
- ख़तरात मोल लेना
- क़यादत
- ब्रेन स्टारमिंग

कमज़ोरियां :

- कम कम तरक्की
- बे मअना सरगर्मियां

अपने Accomodative तरीक़ाए तअल्लुम को मज़बूत करने के लिए नीचे दिए गए उमूर की मश्क़ करें।

- मक़ासिद की तरफ़ भरपूर तवज्जोह देना
- दूसरों को मुतास्सिर करना और रहनुमाई करना
- लोगों से मामलात करना
- नए मवाक़ेअ तलाश करना
- ज़ाती तौर पर शरीक़ होना

## सीखने की सलाहियत को बेहतर बनाना

सीखने की अपनी सलाहियत को बेहतर बनाने और बढ़ावा देने का सबसे आसान तरीक़ा यह है कि आप मुआविन तअल्लुकात कायम करें। अपने सीखने के तरीक़े की कुव्वतों को अच्छी तरह से समझ लें और उन्हें फरोग दें। इसी के साथ साथ दूसरे लोगों के सीखने के तरीक़ों को भी अहमियत दें। नीज़ आपको तने-तन्हा ही मसाइल हल करना है। अगरचे आप ऐसे लोगों के राबते में आ सकते हैं, जो आपकी तरह ही सीखने के तरीक़े के हामिल हों, लेकिन आप बेहतर तरीक़े से उसी वक़्त सीखेंगे और ज़्यादा सीखने के चक्कर का उसी वक़्त ज़्यादा से ज़्यादा तजरुबा हासिल करेंगे जब आप ऐसे दोस्तों और रुफ़काए कार से मामलात करेंगे जो सीखने के दीगर तरीक़ों के हामिल होंगे।

मिसाल के तौर पर, अगर आपका तरीक़ाए तअल्लुम मअरूज़ी हो, Converger की मानिन्द, तो ऐसे अफ़राद के साथ जो बैन शख़्सी तअल्लुकात में मज़बूत और लोगों के साथ रहना पसंद करते होंगे (मसलन Divergers) तबादलात ख़यालात करना सीख सकते हैं। मअकूस तरीक़ाए तअल्लुम वाला अपने से ज़्यादा फअआल और तजरुबा करने वाला और जोख़म उठाने वाला मसलन Accomodator का मुशाहेदा करने से काफी कुछ इस्तेफ़ादा कर सकता है।

एक और तरीक़ा जो कि मज़कूरा बाला से ज़्यादा मुश्किल है, वह यह है कि अपने तरीक़ाए तअल्लुम और अपनी जिंदगी के रहेन सहेन के माबैन तवाजुन कायम करना। चंद लोगों के लिए तो इस तरीक़े का मतलब यह होगा कि वह अपना करीयर या मुलाज़मत ही बदल डाले या ऐसे शोअबे में चला जाए जहां वह ज़्यादा इतमिनान महसूस करता हूँ और जहां की ज़रूरतें और दरकार सलाहियतें अपने अंदर पाता हूँ। अपनी तरज़ीहात और सरगर्मियों को अज़ सरे नौ तरतीब देना भी इस तरीक़े में काफी मुआविन साबित हो सकता है।

सीखने के तरीक़ों से भरपूर फायदा उठाने के लिए यह भी किया जा सकता है कि लचकेला खवय्या इख़्तियार किया जाए। यह उसी वक़्त मुमकिन है जब आप सीखने की अपनी कमज़ोरियों पर क़ाबू पालें। यह सबसे सख़्त तरीक़ाए कार हो सकता है लेकिन इसी के साथ यह सबसे ज़्यादा तशफ़ी बख़्श भी हो सकता है। यह ज़्यादा वक़्त और सब्र तलब है लेकिन हर तरह के हालात का आदी होने और निमटने में भी मदद करता है। इसके लिए एक तवील मुद्दती मन्सूबा बंदी करना ज़रूरी है और अमल व प्रेक्टिस करने के लिए बेख़तर माहौल को नज़र में रखें। यह एक मुश्किल काम है। हर कामयाब मरहले पर अपने आपको इनाम से नवाज़ें।



## अलग अलग राह के राही

अगर मैं वह ना चाहूं जो तुम चाहते हो, तो बराहे करम मुझे यह जताने की कोशिश मत कीजिए कि मेरी चाहत ग़लत है।

या अगर मैं वह सोचूं जो तुम नहीं सोच रहे हो, तो बराहे करम मेरी इस्लाह करने से पहले कम अज़ कम एक मिनट के लिए रुको तो सही।

या अगर मेरे जज़्बात तुम्हारे जज़्बात से कम है या ज़्यादा, तो वैसे ही हालात में, मुझसे तुम्हारे जज़्बात से कम या ज़्यादा की उम्मीद मत रखो।

या इसके बावजूद, अगर मैं कुछ कर गुज़रूं या कुछ भी ना करूं, इस तरीके पर जो तुम्हारे खिलाफ है, तो मुझे अपनी हालत पर छोड़ दो।

मैं एक सेकंड के लिए भी अपने आपको समझने की तुमसे दरख़्वास्त नहीं करूंगा। यह उसी वक़्त मुमकिन है जो तुम मुझे तुम्हारा अक्स बनाने का ख़याल अपने दिल से निकाल दोगे।

मैं तुम्हारा शरीके हयात हो सकता हूं, तुम्हारा बाप/मां हो सकता हूं, तुम्हारी औलाद हो सकता हूं या तुम्हारा साथी।

अगर तुम मुझे अपनी चाहतें या जज़्बात या अक़ीदे या अफ़आल पर चलने देना चाहते हो तो तुम्हें अपना नज़रिया बदलना होगा ताकि किसी दिन तुम्हें मेरा तरीका ग़लत लगना बंद हो जाए और आख़िर कार तुम्हें मेरा तरीका सही लगने लगे। कम अज़ कम मेरी हद तक।

मुझे समझने की पहली मंज़िल यह है कि तुम मुझसे हम आहंगी पैदा करलो। यह ज़रूरी नहीं है कि तुम मेरे तरीके को अपने लिए सही मानो बल्कि यह कि मेरे बज़ाहिर ग़ैर मुतवक्केअ तरीके और तर्ज को देखकर तुम्हें अब बेचैनी या अफ़सोस महसूस ना हो।

और मुझे समझ जाने के बाद, हो सकता है तुमसे मेरे इख़्तेलाफ़ात को पसंद करने लगो और मुझे बदलने की कोशिश करने की बजाए मेरा तहफ़ूज़ करने लगो और शायद उन इख़्तेलाफ़ात को परवान चढ़ाने लगो।

(David Dersey की किताब Please Understand Me से इक्तेबास)

## हंसों से सबक

जैसा जैसा हंस अपने पर फड़फड़ाता है, वह अपने पीछे आने वाले हंस की परवाज़ में मदद करता है। ट शकल में उड़ने के सबब एक हंस के मुक़ाबले में हंसों के पूरे ग़ौल को परवाज़ में 71 फीसद ज़्यादा वुस्अत मिलती है।

जो लोग उमूमी सिम्त और एहसासे यगानगत रखते हैं वह अपनी मंज़िल तक ज़्यादा जल्दी और ज़्यादा आसानी से पहुंचते हैं क्यूंकि वह लोग एक दूसरे की ताक़त पर सफ़र करते हैं।

जब कभी कोई हंस झुंड से अलग होता है तो अचानक उसे तन्हा उड़ने का एहसास बोझल कर देता है और जल्द अज़ जल्द ग़ौल से मिल जाता है ताकि अपने से आगे उड़ने वाले हंस की परवाज़ से फायदा उठा सके।

अगर हम में हंसों जितनी अक़ल आ जाए, तो हम उस झुंड में रहेंगे जो झुंड हमारी मंज़िल की तरफ गामज़न है और हम बख़ूशी उनकी मदद क़बूल भी करेंगे और खुद भी दूसरों की मदद करेंगे।

अगर हंसों के ग़ौल का लीडर थक जाए तो वह घूमकर ग़ौल में पीछे की तरफ हो जाता है और दूसरा हंस लीडर की जगह पर पहुंच जाता है।

मुश्किल मराहिल में बारी बारी मौक़ा देना और लीडरी बांटना मुफ़ीद होता है। हंसों की तरह हम भी लोगों पर भरोसा कर सकते हैं।

आगे उड़ने वाले हंस की हिम्मत बढ़ाने और रफ़्तार बरक़रार रखने के लिए ग़ौल में पीछे के हंस कें कें करते रहते हैं।

हमें इस बात को यकीनी बनाना होगा कि पीछे से हमारी कें कें भी हिम्मत बढ़ाने वाली हो।

अगर कोई हंस बीमार या ज़ख़मी हो जाए या शिकार हो जाए, तो ग़ौल में से दो हंस बाहर निकल आते हैं और उस हंस को बचाने के लिए उसके पीछे पीछे उड़ते हैं। जब तक वह उड़ने के क़ाबिल नहीं हो जाता या मर नहीं जाता वह उसका पीछा नहीं छोड़ते। फिर वह अपने तौर पर उड़ने लगते हैं ताकि किसी दूसरे ग़ौल से मिल जाएं या अपने ग़ौल से मिल जाएं।

अगर हम में भी हंसों जितनी अक़ल आजाए तो हम मुसीबत और अच्छे दोनों वक़्तों में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होंगे।

अगर हंस का ग़ौल रास्ता भटक जाए, तो आगे चलने वाले दो हंस आगे की ज़मीन का अच्छी तरह जायज़ा लेने के लिए ऊपर की जानिब उड़ते हैं। जब उन्हें किसी सिम्त का इतमिनान हो जाए तो वह ग़ौल से मिल जाते हैं और उन्हें नई सिम्त की तरफ ले जाते हैं।

जब कोई गिरोह गुमराह हो जाता है या सिम्त की तलाश में होता है तो लीडरों का फर्ज़ है कि हालात का बारीक बीनी और खुले ज़हेन से जायज़ा लें और मुनासिब तबदीली लाएं।